No. of Printed Pages : 6

BPY-006

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP)

Term-End Examination

01065 **December, 2014**

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY

BPY-006 : METAPHYSICS

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Answer **all** the **five** questions. All questions carry equal marks. Answer to questions no. **1** and **2** should be in about 400 words each.*

1. Define Being. How is the notion of Being central to Metaphysics ? *20*

OR

What do you understand by Human Person ? Elaborate its ontological and psychological dimensions. *20*

2. Provide a brief sketch of the history of Indian Metaphysics. *20*

OR

Explain the medieval concept of 'Being as Essence'. How does it differ from the contemporary view ? *20*

3. Answer any ***two*** of the following questions in about 200 words each :

(a) Discuss the relation between act and potency. *10*

(b) Critically discuss the problem of the one and the many. *10*

(c) Write a short essay on the justification and certitude of knowledge. *10*

(d) Explain the different views about the starting point of metaphysics. *10*

4. Answer any ***four*** of the following questions in about 150 words each :

(a) Discuss the distinction between ontological truth and moral truth. *5*

(b) Explain the union of substance and accidents. *5*

(c) What do you mean by transcendental deduction ? *5*

(d) Distinguish between negative freedom and positive freedom. *5*

(e) Define entity and explain it as historico-temporal. *5*

(f) What is the theory of hylomorphism ? *5*

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about 100 words each :

(a) Moral evil 4

(b) Individuation 4

(c) Material cause 4

(d) Inter-subjectivity 4

(e) Jiva and ajiva 4

(f) Intuition 4

(g) Saccidananda 4

(h) Justified True Belief (JTB) 4

बी.पी.वाई.-006

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2014

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शनशास्त्र

बी.पी.वाई.-006 : तत्त्वमीमांसा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

*नोट : **सभी पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं । प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर लगभग 400 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए ।*

---

1. सत (being) को परिभाषित कीजिए । सत की अवधारणा किस प्रकार तत्त्वमीमांसा का केन्द्रीय विषय है ? स्पष्ट कीजिए । *20*

अथवा

मानव व्यक्ति से आप क्या समझते हैं ? इसके सत्तामीमांसीय और मनोवैज्ञानिक पक्षों का वर्णन कीजिए । *20*

2. भारतीय तत्त्वमीमांसा के इतिहास का संक्षिप्त चित्र प्रस्तुत कीजिए । *20*

अथवा

मध्यकालीन संप्रत्यय 'सार रूपी सत' (Being as Essence) की व्याख्या कीजिए । यह समकालीन दृष्टिकोण से कैसे भिन्न है ? *20*

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के लगभग 200 शब्दों (प्रत्येक) में उत्तर दीजिए :

(क) क्रिया और सामर्थ्यता के मध्य सम्बन्ध की चर्चा कीजिए । *10*

(ख) एक और अनेक की समस्या का आलोचनात्मक विवरण दीजिए । *10*

(ग) ज्ञान प्रमाणीकरण और निश्चितता पर एक संक्षिप्त निबन्ध लिखिए । *10*

(घ) तत्त्वमीमांसा के प्रारम्भ बिन्दु के बारे में विभिन्न दृष्टिकोणों की व्याख्या कीजिए । *10*

4. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के लगभग 150 शब्दों (प्रत्येक) में उत्तर दीजिए :

(क) सत्तामूलक सत्य और नैतिक सत्य के मध्य अन्तर स्पष्ट कीजिए । *5*

(ख) द्रव्य और आकस्मिक गुण (accident) के संगठन की व्याख्या कीजिए । *5*

(ग) प्रागनुभविक निगमन से आपका क्या अर्थ है ? *5*

(घ) नकारात्मक स्वतन्त्रता और सकारात्मक स्वतन्त्रता के मध्य अन्तर स्पष्ट कीजिए । *5*

(ङ) सत्ता को परिभाषित कीजिए और ऐतिहासिक-कालिक सत्ता के रूप में इसकी व्याख्या कीजिए । *5*

(च) भौतिक द्वैतवाद (हाइलोमोर्फिज़्म) का सिद्धान्त क्या है ? *5*

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में लिखिए :

(क) नैतिक अशुभ *4*

(ख) व्यक्तिकरण (individuation) *4*

(ग) उपादान-कारण *4*

(घ) अन्तर-विषयीता (Inter-subjectivity) *4*

(ङ) जीव और अजीव *4*

(च) अन्त:प्रज्ञा *4*

(छ) सच्चिदानन्द *4*

(ज) प्रमाणित सत्य विश्वास (जे.टी.बी.) *4*